समाज और जन-जन की सेवा में जुटी 10 संस्थाओं को एक मंच से मिला स्नेह

सम्मान से उज्ज्वल संकल्प की रोशनी

ऑस्कर फर्नांडीज

सिटी रिपोर्टर. इंदौर

उनकी आंखे नम थी.. मंच पर सम्मान की रोशनी बिखर गई थी। हर मन भावुक भी था और अभिभूत भी। जाल सभागृह के मंच पर जब एक-एक कर सेवा कार्यों में जुटी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को बुलाया गया तो कुछ ऐसा ही दृश्य था। बुधवार की सुबह करीब 11 बजे सद्भावना संस्था द्वारा आयोजित समारोह में इंदौर के सेवा रत्नों को उनके योगदान के लिए सम्मानित किया गया। केंद्रीय श्रम मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस की मौजूदगी में हुए इस समारोह में 10 संस्थाओं और उनके प्रतिनिधियों का सम्मान किया गया। मंच से यह सम्मान पाकर संस्थाओं के प्रनिनिधी अभिभूत हो गए। किसी की आंखे भर आई तो कोई भावुक हो उठा।

सम्मान का यह सिलसिला थमने न पाए

आज हमारी सबसे बड़ी जरूरत है, शिक्षा का उजाला चारों ओर फैलाने की। हर वर्ग और हर तबके के लोगों के साथ बालिका शिक्षा भी बेहद जरूरी है।

हर अच्छे काम को सम्मान मिलना जरूरी है। हर अच्छे सोच को आगे बढ़ाना बेहद जरूरी है। तभी सम्मान का यह सिलसिला अमर हो सकेगा। यह बात केंद्रीय श्रम मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस ने कही। वे बुधवार को जाल सभागृह में संस्था सद्भावना प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित सम्मान समारोह में बतौर मुख्य अतिथि बोल रहे थे।

उन्होंने कहा, ऐसी संस्थाओं के जज्बातों, प्रयासों और संकल्प से ही आज भी समाज में इंसानियत का दर्जा सबसे ऊपर है। स्वागत संस्था सदस्यों ने किया और आभार एएस.आईएस. पाल ने माना।

मेडिकल यूनिवर्सिटी की मांग उठी

केंद्रीय श्रम मंत्री ऑस्कर फर्नांडिस के समक्ष मेडिकल यूनिवर्सिटी की मांग भी जोर-शोर से उठी। पूर्व कुलपति डॉ. भरत छापरवाल ने अपने भाषण में यह मांग उठाते हुए कहा कि इंदौर तेजी से एजुकेशन हब के रूप में उभरा है। अब जरूरत सिर्फ मेडिकल यूनिवर्सिटी की है और केंद्र सरकार चाहे तो हमें इसके लिए काफी मदद दे सकती है। उन्होंने केंद्रीय मंत्री से अनुरोध किया कि इस मामले में सरकार को विचार करना चाहिए।

सम्मान ने बढ़ाया इनका मान

अभ्यास मंडल

पिछले 50 साल से जनहित के कार्यों का नेतृत्व करने के साथ ही संस्थान ने सामाजिक कार्यों और सर्व धर्म की आस्था को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

बरली डेवलपमेंट इंस्टिट्यूट फॉर रुरल वुमन

1985 में स्थापित यह संस्थान ग्रामीण महिलाओं के उत्थान के लिए समर्पित है। उनकी साक्षरता के लिए काफी कुछ किया है और अलग-अलग राज्यों की 4500 महिलाओं को पर्यावरण संरक्षण में खास प्रशिक्षण दिया गया है।

सेंटर फॉर एन्वायर्नमेंटल प्रोटेक्शन रिसर्च एंड डेवलपमेंट

1996 में शुरू हुई यह संस्था मालवा में कई जगह पर्यावरण रक्षा, अनुसंधान एवं विकास के लिए जनसहयोग दे रही है। कार्यशालाओं व अन्य आयोजन के जरिये जल संग्रहण, बिजली बचत और साफ- सफाई आदि का संदेश पहुंचाने का काम भी इस संस्था ने बखूबी पूरा किया।

इस्लामिया करीमिया सोसायटी

1902 से शिक्षा के क्षेत्र में सक्रिय यह संस्था 10 हजार बच्चों को शिक्षा दे रही है। आजादी के बाद कई कठिनाइयों के बाद भी संस्था ने नए कॉलेज शुरू किए और लड़कियों की शिक्षा पर खास ध्यान दे रही है। अल्पसंख्यकों के लिए भी यह संस्था विशेष रूप से सक्रिय है।

श्री मानव सेवा ट्रस्ट

पिछले दस सालों से जरूरतमंदों की सेवा में सक्रिय यह संस्था गरीब महिलाओं को पेंशन, विधवा व गरीब महिलाओं के बच्चों की शादी के साथ बीमार लोगों की चिकित्सा में मदद कर रही है।

रूपांकन

वर्ष 2000 से अच्छे साहित्यों के प्रचार-प्रसार के लिए शुरू हुई इस संस्था की भागदौड़ युवाओं के हाथों में है। अनौपचारिक शिक्षा केंद्रों के अलावा गरीब बच्चों के लिए शिक्षा की व्यवस्था भी यह संस्था करती है। साथ ही शांति और सद्भावना के लिए सामाजिक दायित्व भी निभा रही है।

सदाचार समिति

1986 से विसर्जन आश्रम परिसर में स्वर्गीय दादाभाई नाइक एवं मानव मुनि की प्रेरणा से बनी यह समिति सरकारी अस्पतालों में भर्ती मरीजों के परीजनों के लिए मात्र एक रुपए में भोजन उपलब्ध करवाती है। स्थापना के दिन से आज तक यह सेवा कार्य निरंतर चल रहा है।

सेवा मंदिर

1921 में स्थापित यह संस्था मूक-बधिर एवं दृष्टिहीन बच्चों के शिक्षण एवं प्रशिक्षण कार्य को लेकर समर्पित है। अब तक संस्था ने 3 हजार से ज्यादा बच्चों को प्रशिक्षित कर आत्मनिर्भर बनाया है।

सोशल वेलफेयर सेंटर

1965 में शुरू हुए इस सेंटर में कुष्ठ रोगियों और अनाथ बच्चों व गरीब लोगों की सेवा की जाती है। 1970 में संस्था ने बाणगंगा में कोढ़ की बीमारी से ग्रस्त 50 लोगों के लिए कॉलोनी बनाई और उनके खाने-पीने आदि की व्यवस्था की। 600 घर गरीबों को आसान किस्तों में दिए गए।

श्रध्दानंद बाल आश्रम इंदौर

1927 में इस आश्रम की स्थापना हुई। हजारों बच्चों को पालन- पोषण के साथ ही शिक्षा भी इस संस्था द्वारा दी गई। यहां के अनेक बच्चे शासकीय सेवा में हैं। कई लड़कियों की शादी संस्था ने कराई है।

Union minister felicitates 10 social bodies

OUR STAFF REPORTER
INDORE

Union labour minister Oscar Fernandis has said literate women are directly proportional to the development of any country.

While addressing a function organised by Harmony Foundation to felicitate 10 social organisations of Indore for their noble work, the minister on Wednesday said: 'Educating one woman is like giving light to one house. If every woman would be literate, every house would be developed and when every house would be developed, the country would be developed.' The minister felicitated Abhayas Mandal, Barli Development Institute for Rural Women, Centre for Environmental Protection Research and Development, Islamiya Karimiya Society, Shri Manav Seva Trust, Rupankan, Sadachar Samiti, Sewa Mandir, Social Welfare Centre and Shradhanand Bal Ashram.

Lauding the workers done by the NGOs, Fernandis said that no doubt these organisations had been doing a great job by addressing various social issues concerning the poor. 'One organisation is working for the development of the rural women, the other is ensuring that poor patients get necessary things and then there is one organisation which has taken up responsibility of protecting environment and a few to say... I salute these organisations for their social works,' he said.

National award for communal harmony winner, Father Domnic Emmanuel, Harmony Foundation president Anand Mohan Mathur, vice-president Bharat Chhaparwal and others shared the dais with the minister while Father Prasad conducted the programme.

Union labour minister Oscar Fernandis along with representatives of social organisations awarded by him on the dais at Jal Sabhagrah on Wednesday. FP photo

चौथा संसार
इंदौर, गुरुवार 29 जनवरी 2009

सद्भावना सम्मान समारोह में समाजसेवी संस्थाएं सम्मानित

इंदौर, २८ जनवरी। समाज के सबसे आखिरी व्यक्ति की मदद होगी तभी वास्तव में भारत का निर्माण होगा।

उक्त बातें सद्भावना सम्मान समारोह में केन्द्रीय श्रम मंत्री आस्कर फर्नांडीस ने कही। जाल समारोह में आयोजित कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए श्री फर्नांडीस ने कहा कि एक मजदूर एक दिन घर बैठता है तो दो दिनों तक घर में रोटी की अव्यवस्था हो जाती है।

अध्यक्षता करते हुए आनंद मोहन माथुर ने कहा कि पशु-पक्षियों में साम्प्रदायिकता नहीं होती वे एक साथ घूमते पानी पीते तथा एक साथ उड़ते हैं। मगर इंसानों में न जाने क्यों भेदभाव होता है। कार्यक्रम में दिल्ली के फादर ढ़ोमनिक तथा पूर्व कुलपति डॉ. भरत छपरवाल ने भी सम्बोधित किया।सम्मान समारोह में श्री फर्नांडीस ने अभ्यास मंडल, बरली विकास इंस्टीट्यूट, सी.ई.पी. आर.डी., आय.के. सोसायटी, श्री मानव सेवा ट्रस्ट,

पत्रिका
इंदौर, गुरुवार 29 जनवरी, 2009

सेवा करने वालों का सम्मान भी समाजसेवा

केंद्रीय श्रममंत्री फर्नांडीस ने किया सेवाभावी संस्थाओं का सम्मान

इंदौर, सिटी रिपोर्टर। समाज में एकता और भाईचारे का वातावरण बनाकर समाजसेवा करने वाली संस्थाओं के कार्यों को समझना और उन्हें प्रोत्साहित करना भी समाजसेवा ही है।

यह बात केंद्रीय श्रममंत्री ऑस्कर फर्नांडीस ने बुधवार को सद्भावना प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित सेवारत्न अलंकरण समारोह में कही। उन्होंने कहा समाजसेवा में जुटे लोगों के साथ उनके कामों को समाज में बताने वाले भी प्रशंसा के हकदार हैं। आज देश में गरीबी, अशिक्षा व्याप्त है, सरकार ने असंगठित कामगारों के लिए पांच वर्ष के लिए बीमा शुरू किया है। 30 हजार रुपए के इस बीमे का लाभ 30 करोड़ लोगों ने उठाया। एक व्यक्ति को आत्मनिर्भर बनाने से परिवार मजबूत बनता है, परिवार से समाज और समाज से देश उन्नत होता है, इसलिए सेवा कर्म से विमुख नहीं होना चाहिए।

मेडिकल यूनिवर्सिटी की मांग भी उठी

समारोह में मेडिकल यूनिवर्सिटी की मांग फिर बुलंद हुई। प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आनंदमोहन माथुर ने कहा इंदौर में मेडिकल यूनिवर्सिटी स्थापित करने में केंद्र सहयोग दे। श्रम आंदोलनों का केंद्र रहे इस शहर में फिर से रोजगारमूलक उद्योगों की स्थापना हो और सांप्रदायिक सद्भाव के लिए मोहल्ला स्तर पर बनने वाली कमेटियों को शासन स्तर पर मान्यता मिले। पूर्व कुलपति डॉ. भरत छापरवाल ने भी संबोधित किया। इस मौके पर राष्ट्रीय सद्भावना पुरस्कार से सम्मानित फादर डोमनिक, शह काजी डॉ. इशरत अली, विधायव अश्विन जोशी, ललित जैन, आलोव खरे, शोभा ओझा, सिस्टर शैली आशा खादीवाला, पेरीन दाजी अमरजीतसिंह सूदन, बसंत शिंत्रे मौजूद थे। संचालन फादर प्रसाद किया। आभार मो. शफी ने माना।

बरली ग्रामीण विकास संस्थान का सम्मान हासिल करते मगिलिगन दंपति।

दस संस्थाओं को किया सम्मानित

अभ्यास मंडल को वैचारिकता के माध्यम से समाज में एकता और सांप्रदायिक सौहार्द का काम करने के लिए पुरस्कृत किया गया। बरली ग्रामीण विकास संस्थान को ग्रामीण महिलाओं को साक्षर बनाने व सोलर ऊर्जा क्षेत्र में काम के लिए, सीईपीआरडी को पर्यावरण के लिए, आईकि सोसायटी को अल्पसंख्यकों की शिक्षा के लिए, मानवसेवा ट्रस्ट को गरीब महिलाओं व विधवाओं के हित में काम के लिए, रूपांकन को साहित्य के प्रचार-प्रसार और सामाजिक मुद्दों पर सक्रियता के लिए, सदाचार समिति को मरीजों और परिजन की सहायता के लिए, सेवा मंदिर को विकलांग बच्चों की सेवा के लिए, सोशल वेलफेयर सोसायटी को अनाथ बच्चों, कुष्ठ रोगियों की सेवा के लिए और श्रद्धानंद बाल आश्रम को अनाथ बच्चों के लालन-पालन व आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में काम करने के लिए सम्मानित किया गया।

जाल सभागृह में बुधवार को सद्भावना प्रतिष्ठान द्वारा समाजसेवी संस्थाओं को सेवारत्न सम्मान दिया गया। छाया : प्रवीण बरनाले

दस संस्थाओं को सेवारत्न

सद्भावना प्रतिष्ठान ने दिए सम्मान

केंद्रीय श्रम मंत्री ने दिया सम्मान

इंदौर। शहर में गरीब, पीड़ित और उपेक्षित मानवता की सेवा करने वाले सच्चे सेवकों को आज सम्मान मिला है। यह बात केंद्रीय श्रम मंत्री ऑस्कर फर्नांडीज ने सद्भावना प्रतिष्ठान द्वारा आयोजित सद्भावना समारोह में व्यक्त की।

प्रतिष्ठान द्वारा समाज सेवा के क्षेत्र में काम कर रही इंदौर की दस संस्थाओं को 'सेवारत्न' अलंकरण दिए गए। समारोह के मुख्य अतिथि श्री फर्नांडीज ने कहा कि शहर में सामाजिक और सांस्कृतिक एकता का भाव जगाने की जिम्मेदारी सद्भावना प्रतिष्ठान ने उठाई और उसी के तहत सेवा करने वालों का सम्मान किया है। उन्होंने कहा कि जिस तरह केंद्र सरकार गरीबों के लिए कई कल्याणकारी योजनाएँ चला रही है, उसी तरह ये संस्थाएँ भी सरकार की तरह जिम्मेदारी निभाते हुए पीड़ित मानवता की सेवा कर रही हैं।

सम्मान समारोह में सद्भावना प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आनंद मोहन माथुर, उपाध्यक्ष डॉ. भरत छापरवाल के अलावा फादर डोमिनिक, डॉ. श्रीपाल, सिस्टर सेनीला, शहर काजी डॉ. इशरत अली, आलोक खरे, फादर प्रसाद, विधायक अश्विन जोशी, शहर कांग्रेस अध्यक्ष प्रमोद टंडन और कांग्रेस नेत्री शोभा ओझा, पेरीन दाजी समेत अनेक गणमान्य नागरिक मौजूद थे। कार्यक्रम का संचालन प्रतिष्ठान के सहसचिव शफी मोहम्मद शेख ने किया। -नगर प्रतिनिधि

इन्हें मिला सम्मान

श्री फर्नांडीज ने सभी संस्थाओं के प्रतिनिधियों को 'सेवारत्न' सम्मान प्रदान किए। सबसे पहले अभ्यास मंडल की ओर से पीसी शर्मा, बरली डेवलपमेंट इंस्टीट्यूट फॉर रूरल वूमन की ओर से डॉ. जनक मगिलिगन, सीईपीआरडी की ओर से महेंद्र महाजन, इस्लामिया करीमिया सोसायटी की ओर से हाजी गफ्फार नूरी, श्री मानव सेवा ट्रस्ट की ओर से इंदर सिंह खनूजा, रूपांकन की ओर से विजय शर्मा, सदाचार समिति की ओर से अनिल भंडारी, सेवा मंदिर की ओर से आरएस मौर्य, सोशल वेलफेयर सेंटर नंदानगर की ओर से सिस्टर जोहानी और श्रद्धानंद बाल आश्रम की ओर से रामेश्वर त्रिवेदी ने सम्मान ग्रहण किए।

इंदौर, गुरुवार 29 जनवरी 2009 राज एक्सप्रेस

जाल सभागृह में आयोजित सद्भावना सम्मान समारोह में केंद्रीय मंत्री श्री फर्नांडिस ने शहर के सेवारत्नों को सम्मानित किया।

शहर के 'सेवारत्नों' का किया सम्मान

इंदौर। संस्था सद्भावना प्रतिष्ठान के बैनर तले शहर में निस्वार्थ रूप से कार्य करने वाली सामाजिक संस्थाओं के 'सेवारत्नों' का सम्मान बुधवार को जाल सभागृह में किया गया। मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित केंद्रीय श्रममंत्री ऑस्कर फर्नांडिस ने अभ्यास मंडल के पीसी शर्मा, बरली ग्रामीण महिला विकास संस्था की जनक पलटा और जीमी मेगलीयन, सीईपीआरडी के महेंद्र महाजन, इस्लामिया करीमिया सोसायटी के हाजी गफ्फार नूरी, श्रीमानव सेवा ट्रस्ट के इंदरसिंह खनुजा, संस्था रूपांकन के विजय शर्मा, सदाचार समिति के अनिल भंडारी, सेवा मंदिर के आरएन मोदी, श्रद्धानंद बाल आश्रम के रामेश्वर त्रिवेदी और सोशल वेलफेयर सेंटर के रत्नों को सम्मानित किया। श्री फर्नांडिस ने कहा कि समाज की सेवा करना ही परम कार्य है। समाजिक संगठन जो दूसरों के दर्द व कठिनाइयों को बांटने का कार्य जो कर रहे हैं, वह सराहनीय है। कार्यक्रम में संस्था सद्भावना प्रतिष्ठान के अध्यक्ष आनंद मोहन माथुर, उपाध्यक्ष डॉ. भारत छापरवाल, सह सचिव शफी मोहम्मद शेख, शहर काजी डॉ. इशरत अली, फादर प्रसाद, फादर डॉमिनिक, किरण दाजी और डॉ. रितपाल आदि मौजूद थे।